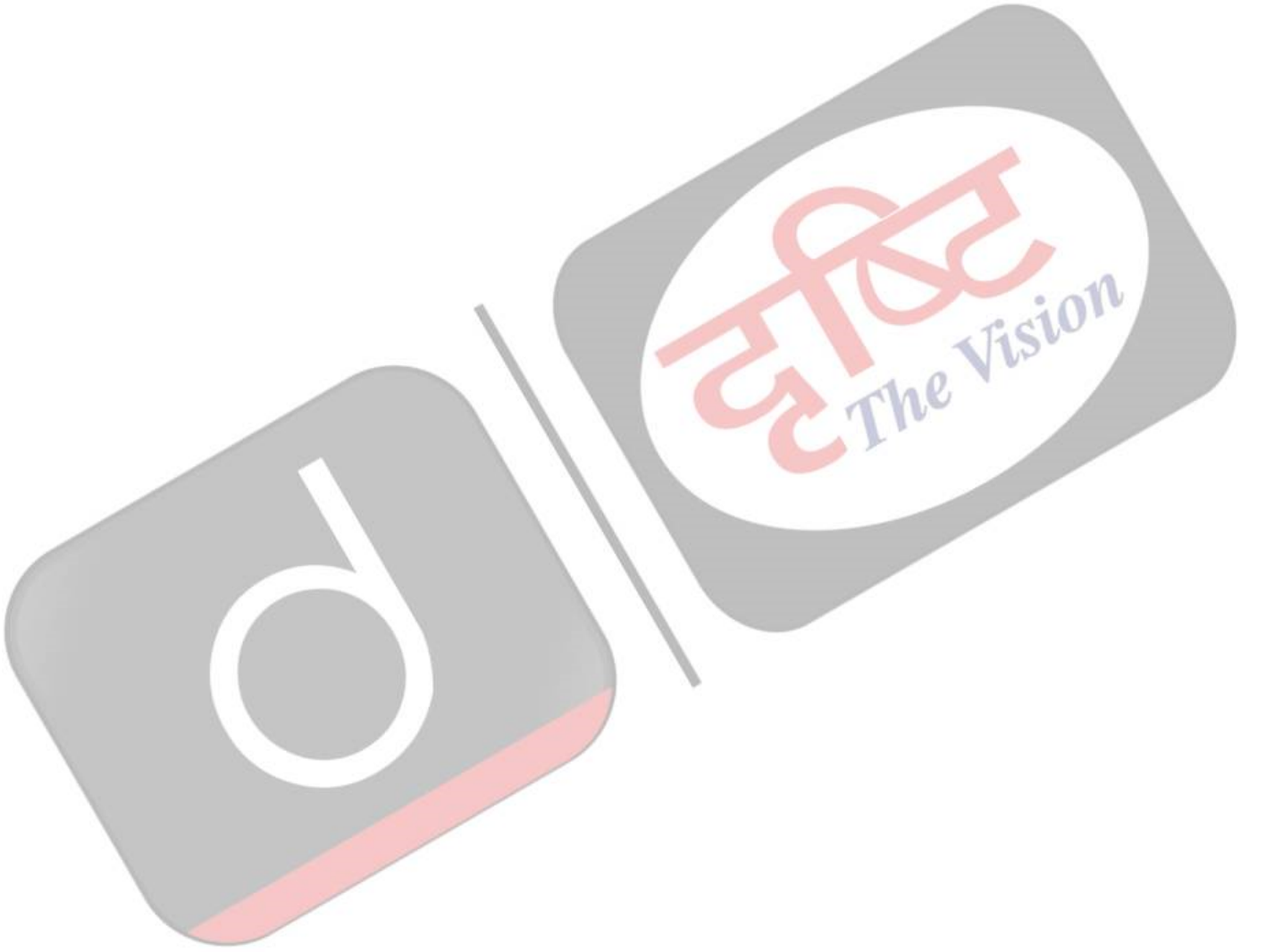




चक्रवात





चक्रवात



परिचय

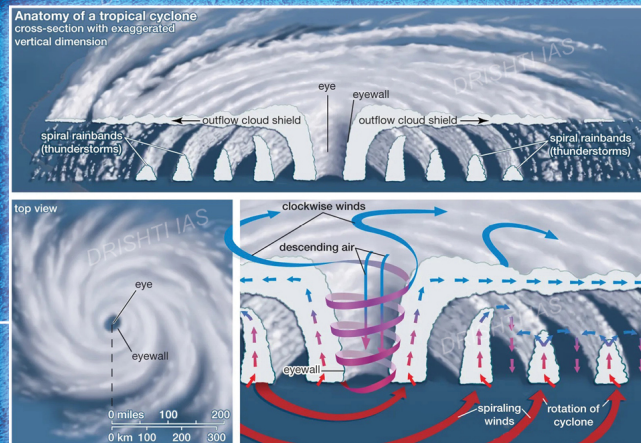
चक्रवात एक कम दबाव वाला क्षेत्र होता है जिसके आस-पास तेजी से इसके केंद्र की ओर वायु परिसंचरण होते हैं।

चक्रवात बनाम प्रतिचक्रवात

दबाव प्रणाली	केंद्र में दबाव की स्थिति	हवा की दिशा का पैटर्न	
		उत्तरी गोलार्द्ध	दक्षिणी गोलार्द्ध
चक्रवात	निम्न	वामावर्त	दक्षिणावर्त
प्रतिचक्रवात	उच्च	दक्षिणावर्त	वामावर्त

वर्गीकरण

उष्णकटिबंधीय चक्रवात; मकर और कर्क रेखा के बीच उत्पन्न होते हैं।



अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय/समशीतोष्ण चक्रवात; ध्रुवीय क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।

गठन के लिए शर्तें:

- * 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
- * कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
- * ऊर्ध्वाधर/लंबवत हवा की गति में छोटे बदलाव।
- * पहले से मौजूद कमजोर निम्न-दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तर-चक्रवात परिसंचरण।
- * समुद्र तल प्रणाली के ऊपर विचलन (Divergence)।

नामकरण:

- * **नोडल प्राधिकरण: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)**
- * **हिंद महासागर क्षेत्र:** बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नामकरण में योगदान करते हैं।

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिये अलग-अलग नाम:

- * **टाइफून:** दक्षिण पूर्व एशिया और चीन
- * **हरिकेन:** उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत
- * **टॉरनेडो:** पश्चिम अफ्रीका और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका
- * **विली-विलीज:** उत्तर पश्चिम ऑस्ट्रेलिया
- * **उष्णकटिबंधीय चक्रवात:** दक्षिण पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर

भारत में चक्रवात:

- * **द्वि-वार्षिक चक्रवात मौसम:** मार्च से मई और अक्टूबर से दिसंबर।
- * **हाल के चक्रवात:** ताउते, वायु, निसर्ग और मेकानु (अरब सागर में), तथी असानि, अम्फान, फोनी, निवार, बुलबुल, तितली, यास और सितरंग (बंगाल की खाड़ी में)।

[और पढ़ें...](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cyclone-21>

